सिंचाई की नयी तकनीक ने बदली किसान की किस्मत

इनसे सीखें

पूसा (समस्तीपुर) | अभय कुमार

सिंचाई की नयी तकनीक अपनाकर मुजफ्फरपुर के किसान लालबाबू सहनी ने न सिर्फ अपनी दुनिया बदली, बल्कि दूसरे के लिए भी नजीर बन गए हैं। नयी तकनीक अपनाकर उन्होंने खेती पर खर्च कम किया और मुनाफा बढ़ाया।

ज्ञातव्य हो कि अपनी इस उपलब्धि से पिलखी गांव निवासी लालबाबू सहनी राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाले 25 लाख रुपये के पुरस्कार की दौड़ में शामिल हो गए हैं। पहला राउंड पार कर वे दूसरे राउंड की तैयारी में जुट गए हैं। लालबाबू सहनी केंद्रीय कृषि विवि पूसा की बोट सिंचाई प्रणाली को अपनाकर ढाब इलाके में बेकार पड़ी जमीन को पट्टे पर लेकर सब्जी की खेती शुरू की। उनके इस प्रयास में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. आरसी श्रीवास्तव तथा स्टार्टअप फैसिलिटी के परियोजना निदेशक डॉ. मृत्युंजय कुमार ने मार्गदर्शन किया। वीसी डॉ.आरसी श्रीवास्तव ने बताया कि इनोवेटिव आइडिया पुरस्कार के लिए लालबाबू सहनी का चयन राष्ट्रीय संस्थान मैनेज ने प्रथम राउंड में किया है। आगे के राउंड में भी चयन होने पर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

- राष्ट्रीय स्तर पर 25 लाख के पुरस्कार की दौर में लालबाबू
- कृषि विवि पूसा से मिली तकनीकी सहयोग

मुजफ्फरपुर के पिलखी में बूढ़ी गंडक में लगा बोट सिंचाई सिस्टम।

सिंचाई में डीजल के 40 हजार रुपए बचाए

कृषि विवि के परियोजना निदेशक डॉ. मृत्युंजय कुमार ने बताया कि पिछले साल कुलपति समेत कृषि अभियंत्रण के वैज्ञानिक डॉ.एसके जैन, डॉ.खीश चंद्रा व उनकी टीम ने सोलर बोट सिस्टम से सिंचाई प्रणाली विकसित की थी। इसे नदी से जोड़कर प्रति सेकंड करीब साढ़े पांच लीटर पानी निकाल सिंचाई होती है। यह तकनीक सपोर्ट फाउंडेशन के माध्यम से किसान लालबाबू सहनी को इसी साल जनवरी 2020 दी गई। किसान लालबाबू ने बताया की सोलर बोट प्रणाली से सिंचाई कर डीजल के करीब 40 हजार बच गए।